फर्द अहकाम
(नियम 26)

अज अदालत .... मुकाम ....

.... बनाम ....

करम मुकदमा .... नं. .... सन् ....

तारिख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो हुक्म की तामील में जारी हुए
21-12-23	पत्रावली पेश हुई वकील प्रार्थी उपस्थित प्रकरण मे वकील प्रार्थी की प्रार्थना पत्र अ धा.136 RA पर बहस सूनी गई वकील प्रार्थी ने अपनी बहस मे निवेदन इस है कि मौजा राय पुरिया प.ह. गोपाल पुरा की खाता स 2 मे स्थित आराजी स. 27.28,29,30,31,32,35,36,37,38 39,40,41,42,43,44,50,51,52,57,58,59,60,61,62,63, कुल किता- 26 कुल रकबा 7.6300 है. भूमि प्रार्थी: एवं विपक्षी गण की सयुंक्त खातेदारी की कृषि आराजीयात है। उक्त आराजीयात मे प्राथीया का 1/25 हक हिस्सा निहित है। प्राथीया के पिता मोती सिंह पिता गोविन्द सिंह राजपूत के स्वर्गवास के पश्चात राजस्व कर्मचारियों द्वारा खोले गये नामान्तरण स.6 दिनांक 15-10-2001 मे बिना तथ्यो की जानकारी किये चैना कंवर पुत्री मोती राजपूत के बजाय प्राथीया के परिवार मे बोलता नाम शंकर कंवर पुत्री मोती सींह जी अंकित कर दिया है जो राजस्व कर्मचारियो कि लिपिकीय भूल है। जिसे राजस्व रिकार्ड मे अंकित नाम शंकर कंवर के बजाय वास्तविक नाम चैना कंवर पुत्री मोती सिंह राजपूत अंकित किया जावे। प्रकरण मे वकील [illegible] बहस सूनी गई एवं प्रकरण मे प्रस्तुत दस्ता[illegible] ग्राम पंचायत गोपाल पुरा का प्रमाण पत्र, [illegible] कार्ड, मतदाता परिचय पत्र. आधार कार्ड [illegible] आधार कार्ड का अवलोकन किया गया इन सभी दस्तावेज मे प्राथीया का नाम चैना कंवर पुत्री मोती सिंह राजपूत नि. राय पुरिया दर्ज अंकित है। जिसे दुरुस्त सुधारा जाना उचित समझते है। अत: प्राथीया का प्रार्थना पत्र: अ.धा.136 RA का स्वी[illegible] किया जाता है। [illegible]	

Signature Not Verified
Digitally signed by Kailash Chand Gurjar
Date: 2024.03.11 16:33:35 IST
Reason: SelfAttested

तारिख हुक्म	हुक्म या कार्यवाही मय इनिशियल्स जज	नम्बर ... जो इस ... में ...
	29,30,31,32,35,36,37,38,39,40,41,42,43 44,50,51,52,57,58,59,60,61,62,63, कुल किता·26 कुल रकबा 7.6300 है· भूमि मे क्र·स·18 पर दर्ज अंकित नाम शंकर कंवर पुत्री मोती सिंह राजपूत के बजाय चैना कंवर पुत्री मोती सिंह ~~किये~~ राजस्व रेकार्ड मे किये जाने के आदेश दिये जाते है। आदेश की प्रति तहसीलदार बेगूं को पालनार्थ भेजी जावे। पत्रावली फैसल शुमार होकर नम्बर से कम हो।	

Signature Not Verified

Digitally signed by Kailash Chand Gurjar
Date: 2024.03.11 15:33:35 IST
Reason: SelfAttested